गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 014
दि. 14.05.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

तेल बचाने के लिए पीएम मोदी ने पेश की मिसाल, केवल 2 गाड़ियों के साथ निकला काफिला

(जीएनएस)।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के बीच, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए "आर्थिक देशभक्ति" का मंत्र दिया है। हाल ही में अपने संबोधन में पीएम मोदी ने नागरिकों से एक साल तक सोना न खरीदने और ईंधन की बचत करने जैसी 7 महत्वपूर्ण अपीलें की थीं।

अब इस मुहिम में खुद उदाहरण पेश करते हुए, प्रधान मंत्री ने अपने आधिकारिक काफिले के आकार में दो गाड़ियों की कटौती कर इसे छोटा कर दिया है। रढऋ प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों को बरकरार रखते हुए लिया गया यह निर्णय नेतृत्व की उस मिसाल को दशार्ता है, जहां शासन स्वयं त्याग कर जनता को प्रेरित कर रहा है।

ईंधन संरक्षणः नेतृत्व का अनुकरणीय उदाहरण

प्रधान मंत्री द्वारा अपने काफिले में की गई यह कटौती केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि एक गहरा संदेश है। पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा है। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया है कि जब देश संकट से जूझ रहा हो, तो सरकारी तंत्र को भी मितव्ययिता अपनानी चाहिए। काफिले से गाड़ियों को हटाकर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सुरक्षा और प्रोटोकॉल के बीच भी संसाधनों का अनुकूलन संभव है। उनके इस कदम के बाद अब गृह मंत्री अमित शाह और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने काफिले छोटे करने की घोषणा की है।

सुरक्षा और सादगी के बीच सटीक संतुलन

काफिले के आकार में कमी का निर्णय अत्यंत संवेदनशीलता के साथ लिया गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, SPG (विशेष सुरक्षा समूह) ने पीएम की सुरक्षा के आवश्यक तकनीकी और सामरिक घटकों से समझौता किए बिना इस योजना को लागू किया है। यह बदलाव दशार्ता है कि आधुनिक सुरक्षा तकनीकों का उपयोग कर कम वाहनों के साथ भी सुरक्षा घेरे को अभेद्य रखा जा सकता है। प्रधान मंत्री का यह 'लीड बाई एग्जांपल' दृष्टिकोण जनता को यह विश्वास दिलाता है कि ईंधन बचाने और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करने की उनकी अपील राष्ट्रहित में है और इसकी शुरूआत स्वयं सत्ता के शीर्ष से हो चुकी है।

पीएम मोदी ने रखा'आर्थिक देशभक्ति' का रोडमैप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले हैदराबाद में अपने संबोधन के दौरान देशवासियों के सामने 'आर्थिक देशभक्ति' का एक रोडमैप रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक संघर्षों और सप्लाई चेन में बाधाओं के कारण बढ़ती महंगाई से लड़ने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। पीएम ने नागरिकों से अपील की कि वे आगामी एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचें और ईंधन की बचत को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। यह आ'न केवल जनता तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने भी अब अपने खर्चों में भारी कटौती करने की तैयारी शुरू कर दी है।

विभिन्न मंत्रालयों पर भी लागू होगा नियम

पीएम मोदी की अपील के बाद केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों ने अपने दैनिक परिचालन खर्चों में कटौती का मन बना लिया है। इसके तहत सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को निजी वाहनों के बजाय मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही, कार्यालयों में 'कार पूलिंग' को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि ईंधन की खपत कम हो सके। विभाग अब फिजूलखर्ची रोकने के लिए बड़े और भव्य आयोजनों के बजाय सादगीपूर्ण बैठकों पर जोर दे रहे हैं।

नोएडा-गाजियाबाद में वर्क फ्रॉम होम होगा लागू! मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा आदेश

पीएम मोदी की अपील के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में बढ़ती ऊर्जा खपत और ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य के कार्यक्षेत्र और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने जा रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन की बचत और ऊर्जा संरक्षण के वैश्विक आ'न के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हफ्ते में दो दिन वर्क फ्रॉम होम (WFH) की व्यवस्था लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं.

किन पर लागू होगा यह नियम?

सरकार का यह कदम न केवल बढ़ते ट्रैफिक और प्रदूषण को कम करने के लिए है, बल्कि यह भविष्य की स्मार्ट वर्किंग संस्कृति को भी बढ़ावा देगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की थी. इस बैठक में तय किया गया कि सरकार जल्द ही उन निजी और कॉर्पोरेट संस्थानों के लिए एक एडवाइजरी जारी करेगी, जहां कर्मचारियों की संख्या अधिक है.

सरकार का प्राथमिक फोकस इन क्षेत्रों पर

आईटी सेक्टर और स्टार्टअप्स- इन क्षेत्रों में कार्य की प्रकृति डिजिटल होने के कारण इन्हें प्राथमिकता दी जाएगी. बड़ी निजी कंपनियां और कॉर्पोरेट ऑफिस- यहां बड़ी संख्या में कर्मचारियों के आवागमन से ट्रैफिक पर दबाव बढ़ता है. औद्योगिक इकाइयां- जहां प्रशासनिक कार्य घर से संभव हैं, वहां भी इसे लागू करने की सलाह दी जाएगी.

सड़कों पर वाहनों का बोझ होगा कम

सरकार का मानना है कि यदि बड़ी कंपनियां सप्ताह में दो दिन घर से काम की सुविधा देती हैं, तो सड़कों पर निजी वाहनों का बोझ कम होगा।

जिससे ईंधन की खपत में भारी गिरावट आएगी और पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा.

सरकारी तंत्र और बैठकों में डिजिटल बदलाव

मुख्यमंत्री ने केवल निजी क्षेत्र ही नहीं, बल्कि सरकारी विभागों के लिए भी कड़े निर्देश जारी किए हैं. उन्होंने आदेश दिया है कि सरकारी विभागों की कम से कम 50 प्रतिशत आंतरिक बैठकें ऑनलाइन माध्यम से की जाएं. बड़े सेमिनार, कॉन्फ्रेंस और कार्यशालाओं को भी अब वर्चुअल मोड में आयोजित करने को प्राथमिकता दी जाएगी. स्कूलों और कॉलेजों को भी अपनी प्रशासनिक बैठकों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं.

6.पब्लिक ट्रांसपोर्ट और नो व्हीकल डे की अपील

ईंधन की बचत के लिए सीएम योगी ने लीड बाय एग्जांपल (उदाहरण पेश कर नेतृत्व करना) की नीति अपनाई है. उन्होंने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वे सप्ताह में कम से कम एक दिन निजी या सरकारी वाहनों का त्याग कर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें.

'भारत शांति की भाषा बोलता है, लेकिन..': आरएसएस नेता के पाकिस्तान वाले बयान पर बोले पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे

पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे ने पाकिस्तान से बातचीत के दरवाजे खुले रखने के आरएसएस नेता के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसका मतलब ये नहीं कि हम मिलिट्री फोर्स का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की पैरवी करके बहुत बड़ी बहस छेड़ दी है। इसपर अलग-अलग तरह के राजनीतिक बयान आ रहे हैं। इसी दौरान भारत के पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भी आरएसएस में दूसरा स्थान रखने वाले दत्तात्रेय होसबाले के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

पूर्व आर्मी चीफ ने इस बात पर सहमति जताई है कि लोगों के बीच आपसी संपर्क बहुत ही जरूरी है। पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'सीमा के दोनों ही ओर सामान्य लोग रहते हैं और आम लोगों की हर जगह की एक समान

चिंता होती है, खाना, कपड़ा, मकान और रोजमर्रा की जिंदगी।'

'लोगों के बीच संपर्क बहुत महत्वपूर्ण'

पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणेका कहना है कि 'आमतौर पर साधारण नागरिकों को राजनीति से ज्यादा मतलब नहीं होता। जब दो देशों के लोगों के बीच दोस्ती बढ़ती है तो स्वाभाविक तौर पर दोनों देशों के रिश्ते भी बेहतर होते हैं। इसलिए मैंने कहा कि लोगों के बीच संपर्क, चाहे ट्रैक-टू डिप्लोमेसी हो या खेलों के जरिए, बहुत महत्वपूर्ण है...।'

'जरूरत पड़ने पर मिलिट्री का भी इस्तेमाल'

उन्होंने भी बातचीत की अहमियत उजागर करते हुआ कहा, 'एक चीज बहुत साफ है और हमने इसे हमेशा अपनाया है, दो देशों के बीच चाहे जो भी मतभेद हों, उन्हें हमेशा बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाना चाहिए।'

...लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि जरूरी पड़ने पर हम मिलिट्री फोर्स का इस्तेमाल नहीं कर सकते.....।

जनरल मनोज मुकुंद नरवणे, पूर्व आर्मी चीफ

'आपको लगा भाजपा में आया तो आपका कॉम्पिटिटर बन जाऊंगा', टीएमसी से निलंबित रिजू दत्ता की पोस्ट पर क्या बोले पूनावाला?

तृणमूल कांग्रेस से निलंबित किए गए पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता रिजू दत्ता और बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के बीच सोशल मीडिया पर तीखी जुबानी जंग छिड़ गई है। रिजू दत्ता ने एक्स पर लंबा पोस्ट लिखते हुए पूनावाला से निजी मयार्दा बनाए रखने की अपील की। वहीं, शहजाद पूनावाला ने पलटवार करते हुए कथित 'आईपैक कनेक्शन' और टीएमसी नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठा दिए। रिजू दत्ता ने अपने पोस्ट में लिखा कि 4 फरवरी 2026 को जब शहजाद पूनावाला की मां का गंभीर एक्सीडेंट हुआ था और उनकी सर्जरी हुई थी, तब उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर संदेश भेजकर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी।

सस्ता तेल : रूस ने अमेरिका को ठेंगा दिखाकर कर दिया बड़ा ऐलान कहा दबाव के बावजूद रूस भारत को तेल की सप्लाई जारी रखेगा

(जीएनएस)।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपनी भारत यात्रा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत-रूस की गहरी दोस्ती की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने पीएम मोदी को दुनिया के सबसे ऊजार्वान नेताओं में से एक बताया और भारत की सांस्कृतिक विरासत की सराहना की।

लावरोव ने स्पष्ट किया कि पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद रूस भारत को तेल की सप्लाई जारी रखेगा और दोनों देशों के रिश्तों में कोई कमी नहीं आने देगा। उनके इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और रूस के अटूट विश्वास को एक बार फिर दुनिया के सामने मजबूती से रखा है।

लावरोव ने पीएम मोदी के नेतृत्व क्षमता को दुनिया के लिए एक मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि मोदी न केवल एक ऊजार्वान नेता हैं, बल्कि वे अपनी इस ऊर्जा का सही इस्तेमाल देश की अर्थव्यवस्था और रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने में करते हैं। लावरोव के अनुसार, भारत की सभ्यता और संस्कृति को बचाए रखने का जो काम मोदी ने किया है, वह अतुलनीय है।

उन्होंने माना कि मोदी का विजन भारत को एक नई ऊंचाई पर ले जा रहा है।

तेल की सप्लाई और ऊर्जा सुरक्षा का वादा

भारत द्वारा रूस से कम तेल खरीदने की खबरों पर लावरोव ने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि भारत के साथ तेल व्यापार में जो भी दिक्कतें आई हैं, वे अमेरिका के गलत फैसलों के कारण हैं। रूस ने भरोसा दिलाया है कि वह भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पश्चिमी देशों की पाबंदियों का असर भारत पर नहीं पड़ने दिया जाएगा और रूस लगातार भारत को तेल निर्यात करता रहेगा ताकि भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर रहे।

भारत-रूस दोस्ती में बाहरी दखल का जवाब

कुछ देशों द्वारा रूस और भारत के संबंधों को कमजोर करने की कोशिशों पर लावरोव ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि जो लोग हमारी दोस्ती के भविष्य को लेकर डरे हुए हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। कई वैश्विक शक्तियां हमारे बीच दरार पैदा करना चाहती हैं, लेकिन उनके ये प्रयास कभी सफल नहीं होंगे। भारत और रूस के बीच का भरोसा बहुत पुराना और गहरा है, जिसे कोई भी बाहरी ताकत हिला नहीं सकती।

रक्षा और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पुराना साथ

लावरोव ने याद दिलाया कि आजादी के बाद जब पश्चिमी देशों ने भारत की सैन्य मदद करने से मना कर दिया था, तब केवल रूस ही आगे आया था। रूस ने न केवल भारत को आधुनिक हथियार दिए, बल्कि अपनी टेक्नोलॉजी भी साझा की ताकि भारत अपने देश में हथियार बना सके।

आज भी रक्षा के क्षेत्र में दोनों देश एक-दूसरे के सबसे बड़े सहयोगी हैं। रूस ने साफ किया कि वह भविष्य में भी भारत के सैन्य विकास में पूरा सहयोग देता रहेगा।

पीएम मोदी की अपील के बाद, दिल्ली सरकार का बड़ा कदम, सीएम रेखा गुप्ता ने घटाया सरकारी वाहनों का इस्तेमाल

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अब सरकारी वाहनों के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने की महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने वैश्विक ईंधन कीमतों में हो रही वृद्धि के मद्देनजर मितव्ययिता अपनाने के प्रधानमंत्री के आ'न का जवाब देते हुए यह निर्णय लिया।

क्या कहा सीएम रेखा गुप्ता ने?

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए दिल्ली सरकार जिम्मेदारी के साथ कदम उठा रही है। उन्होंने कहा- अब सरकारी उद्देश्यों के लिए उपयोग होने वाले वाहनों की संख्या को सीमित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे स्वयं, उनके कैबिनेट सहयोगी, सभी भाजपा विधायक, अन्य जन प्रतिनिधि तथा दिल्ली सरकार के विभिन्न विभाग आवश्यकतानुसार ही सरकारी वाहनों का न्यूनतम उपयोग सुनिश्चित करेंगे।

इस फैसले के तहत, दिल्ली सरकार कारपूलिंग और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्राथमिकता देगी। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के निवासियों से भी आग्रह किया है कि वे निजी वाहनों का उपयोग कम करके कारपूलिंग अपनाएं और बसों व मेट्रो सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह कदम वर्तमान में चल रही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

गुप्ता की यह अपील ऐसे समय में आई है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई महत्वपूर्ण मितव्ययिता उपायों का आ'न किया है। इन उपायों में 'वर्क फ्रॉम होम' को बढ़ावा देना, सोने की खरीद को सीमित करना और अनावश्यक विदेश यात्राएं कम करना शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई के अनिवार्य सामान की खपत में भी कटौती का सुझाव दिया है। यह पहल अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के बाद की गई है।

अपने 'एक्स' पोस्ट में दिल्ली की मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से कहा, "हम दिल्ली के लोगों से अपील करते हैं कि वे जहां भी संभव हो, मेट्रो, बसों और सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें। वे कारपूलिंग को अपनाएं और निजी वाहनों पर अपनी अनावश्यक निर्भरता को कम करें।"

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रहित की भावना पर जोर देते हुए आगे कहा कि वैश्विक ऊर्जा अनिश्चितता और मौजूदा संघर्ष के इस दौर में, नागरिकों को जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी से देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का भी आग्रह किया।

'ऑफर ठुकराते ही फायरिंग' आप ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया क्यों निशाने पर आए दिलजीत दोसांझ के मैनेजर गुरप्रताप कांग !

(जीएनएस)।

पंजाब के मशहूर सिंगर दिलजीत दोसांझ के मैनेजर गुरप्रताप कांग के घर पर फायरिंग के दावे के बाद राजनीतिक माहौल भी गरम हो गया है। इस पूरे मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट का दावा सामने आया है, जिसमें धमकी और कई गंभीर आरोपों की बात लिखी गई है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक स्वतंत्र रूप से नहीं हुई है। इस मामले पर आम आदमी पार्टी की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है।

सोशल मीडिया पर सामने आए पोस्ट में कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से कहा गया है कि हरियाणा के गोंदर गांव में दिलजीत दोसांझ के मैनेजर के घर पर फायरिंग करवाई गई।

पोस्ट में कई गंभीर आरोप भी

लगाए गए हैं, जिनमें किसी महिला के साथ गलत व्यवहार और टूर के दौरान गलत काम करने जैसे दावे शामिल हैं। इसके साथ ही पोस्ट में धमकी भरे शब्द भी लिखे गए हैं और आगे नुकसान की चेतावनी दी गई है।

आप का रिएक्शनः बीजेपी पर सीधा हमला

इस मामले पर आम आदमी पार्टी की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। AAP नेता अनुराग ढांडा ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह कोई इत्तेफाक नहीं है, बल्कि इसके पीछे एंटी पंजाब सोच' काम कर रही है।

उनके मुताबिक, कुछ दिन पहले ही दिलजीत दोसांझ को बीजेपी जॉइन करने का ऑफर दिया गया था और उनके इनकार के बाद इस तरह की घटनाओं का क्रम सामने आ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पंजाबियों को डराने की कोशिश की जा रही है।

AAP की तरफ से आए इस बयान के बाद मामला सिर्फ क्राइम इन्वेस्टिगेशन तक सीमित न रहकर राजनीतिक टकराव का मुद्दा भी बन गया है। बीजेपी की तरफ से इस पर अभी कोई आधिकारिक जवाब सामने नहीं आया है।

सम्पादकीय

पेपर लीक का दूरगामी प्रभाव

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानि एनटीए द्वारा 3 मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 2026 का प्रश्न पत्र लीक होने के कारण मंगलवार को प्रवेश परीक्षा न सिर्फ रद्द कर दी गईं बल्कि इस अपराध की समुचित जांच के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआईं) को मामला सौंप दिया गया।

दरअसल गत रविवार यानि 3 मईं को एनटीए ने देश के 551 शहरों में और विदेश के 14 शहरों में नीट की परीक्षा का आयोजन 23 लाख पंजीवृत परीक्षार्थियों के लिए किया गया। लेकिन जब सूचनाएं मिलीं कि वुछ स्वाथी तत्वों ने प्रश्न पत्र लीक कर दिया है तो एनटीए ने सरकार के साथ मिलकर इस आरोप की जांच कानून प्रवर्तन एजेंसी से करवाने का पैसला किया। प्रथम द्दष्ट्या जांच एजेंसी को लगा कि नीट के पेपर लीक हुए हैं तो पेपर रद्द करने की घोषणा कर दी गईं।

असल में देश में कईं कोचिंग सेंटर प्रतिद्वन्द्विता की भावना से ग्रस्त होने के कारण प्रश्न पत्र लीक करने की ओछी हरकत करते हैं। ये कोचिंग सेंटर अपने संस्थान में अच्छे रिजल्ट के प्रचार हेतु प्रश्न पत्र लीक करने की शरारत तो करते हैं किन्तु उनके पैसे कमाने के लिए इस तरह की ठग विद्या का असर भारतीय किशोरों की मानसिकता पर कितना घातक साबित होता है इसकी कोईं भी परवाह ये निष्ठुर कोचिंग संस्थान नहीं करते। झूठी शान, मान एवं छवि सुधारने के लिए कोचिंग संस्थान इस देश के तमाम उन छात्रों की तकदीर में आग लगा देते हैं जो परीक्षा देने की आयु सीमा समाप्त होने के बिल्वुल निकट होते हैं। इसके अलावा जब परीक्षाथी देखता है कि परीक्षाएं बार–बार टल रही हैं तो उसको घोर निराशा होती है और वे देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में नकारात्मकता के शिकार हो जाते हैं।

बहरहाल सीबीआईं की जांच होने पर अपराधी तो पकड़े ही जाएंगे किन्तु सरकार को चाहिए कि अब समय आ गया है जब परीक्षा प्रणाली में विधिवत सुधार और बदलाव किए जाएं। परीक्षा विशेषज्ञों की सलाह से एनटीए के कामकाज में व्यापक सुधार न करना हो तो मेडिकल कालेजों को खुद ही प्रवेश परीक्षा लेने का अधिकार मिलना चाहिए।

एनटीए जैसी एजेंसी पूरे देश और विदेशों में जितनी व्यापकता से परीक्षाएं आयोजित करती हैं, उसे देखते हुए उसके पास प्रश्नपत्र को लीक होने से बचाने की व्यवस्था नहीं है। आखिर एनटीए का गठन मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने किया था तो उन्होंने देश के युवा परीक्षार्थियों को आश्वस्त किया था कि अब कभी प्रश्न पत्र लीक नहीं होगा किन्तु वास्तविकता यह है कि एनटीए की परीक्षा से पहले ही कोचिंग संस्थाएं तरकीब खोज कर प्रश्न पत्र लीक कर देते हैं। इसीलिए मासूम और सामान्य प्रशिक्षार्थियों के जीवन से मजाक करने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाईं की जानी चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि प्रश्न पत्र को लीक करने के आरोप को इतना संट्ठोय बनाना चाहिए कि वह राजद्रोह की श्रेणी में आ जाए ताकि धन कमाने और अपना कोचिंग सेंटर को अच्छा बताने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण लग सके। यदि इन अपराधियों के खिलाफ जल्दी ही वुछ नहीं किया गया तो दूसरे देशों में प्रवेश लेने के लिए हमारे देश के छात्र विवश होंगे।

ट्रंप को चीन का एडवांस गिफ्ट? पाकिस्तान की चढ़ा दी बलि, लीक कर दी छुपाए गए ईरानी विमानों की लोकेशन!

(जीएनएस)।

चीन की एक कंपनी ने पाकिस्तान की सैटेलाइट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें संदिग्ध ईरानी उ–130 विमान की मौजूदगी का खुलासा हो गया है. रेतीले रंग (रंल्ला उेंङ्क) के इस विमान ने उन चचाओं को हवा दे दी है जिनमें पाकिस्तान पर ईरानी सैन्य संपत्तियों को छिपाने का आरोप लगाया गया था. ये खुलासा ट्रंप के बीजिंग दौरे से पहले अमेरिका के लिए एडवांस गिफ्ट माना जा रहा है.

इस्लामाबादः ईरान–अमेरिका की खींचतान के बीच पाकिस्तान के चरित्र पर सवाल खड़े हो गए हैं. मीडिएटर बने इस देश ने पहले तो अपना न्यूट्रल रहने का धर्म तोड़ा और फिर माई–बाप अमेरिका को धोखा दिया. पाकिस्तान पर लांछन लग रहा है कि उसने अपने एयरबेस पर गुपचुप तरीके से ईरान के मिलिट्री विमानों को पनाह दी है. इस खतरनाक खेल की पोल पाकिस्तान के 'सदाबहार दोस्त' चीन ने खोल दी है. ट्रंप के बीजिंग दौरे से पहले चीन ने कुछ सैटेलाइट फोटोज शेयर की हैं, जिनमें ईरानी विमानों की सही लोकेशन और उनकी साफ–साफ तस्वीरें दुनिया के सामने आ गई हैं. ये ट्रंप के लिए किसी एडवांस गिफ्ट से कम नहीं है.

चीन की सैटेलाइट तस्वीरों में खुली पाकिस्तान की पोल

सोशल मीडिया पर जियोपॉलिटिकल मुद्दों पर बात करने वाले मशहूर डेमियन साइमन अकाउंट से एक ऐसी जानकारी साझा की है जिसने वॉशिंगटन से लेकर बीजिंग तक खलबली मचा दी है. चीन की एक प्रतिबंधित कंपनी 'मिजारविजन' (द्ब९१५२ड्ढल्ल) ने अप्रैल 2026 की कुछ सैटेलाइट तस्वीरें सार्वजनिक की हैं. इन तस्वीरों में पाकिस्तान के सबसे सेंसेटिव नूर खान एयरबेस पर एक उ–130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट विमान खड़ा दिखाई दे रहा है.

कैसे पकड़ा गया ईरानी विमान?

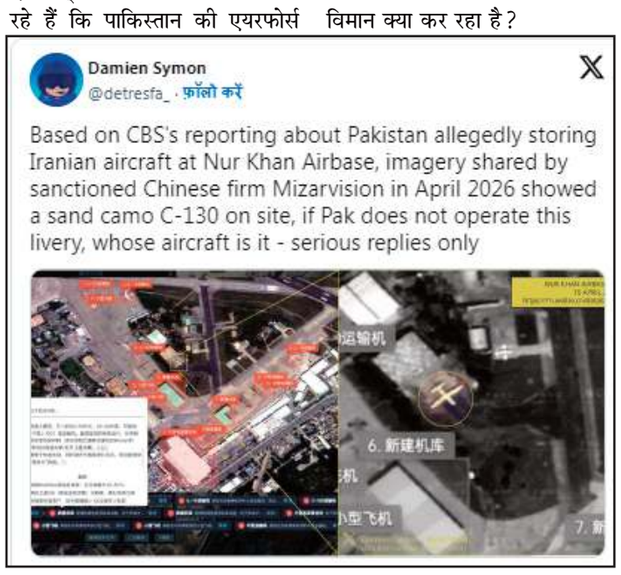

इस विमान का रंग 'सैंड कैमॉफ्लाज' है, यानी ये रेगिस्तानी मिट्टी जैसा पीला–भूरा है. डिफेंस एक्सपर्ट्स चिल्ला–चिल्ला कर कह रहे हैं कि पाकिस्तान की एयरफोर्स

(ढअत्र्) इस रंग के विमानों का इस्तेमाल ही नहीं करती. पाकिस्तान के विमान सिलेटी रंग के होते हैं तो फिर सवाल उठता है कि पाकिस्तान की इस सेंसेटिव लोकेशन पर ये 'अजनबी' विमान क्या कर रहा है?

इस पूरी कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट चीन का रोल है. आखिर चीन की एक कंपनी ने अपने ही दोस्त पाकिस्तान की इतनी गुप्त जानकारी लीक क्यों की?

ट्रंप के लिए एडवांस गिफ्टः 14 मई को ट्रंप और शी जिनपिंग मिलने वाले हैं. मुमकिन है कि चीन ने यह जानकारी लीक करके ट्रंप को ये संदेश दिया हो कि 'हमारे पास सबकी कुंडली है'. यह ट्रंप के लिए एक कूटनीतिक 'तोहफा' हो सकता है ताकि बातचीत में चीन का पलड़ा भारी रहे.

पाकिस्तान की बलिः चीन को जब भी अपना फायदा दिखता है, वो छोटे खिलाड़ियों की परवाह नहीं करता. पाकिस्तान को एक्सपोज करके चीन ने दिखा दिया है कि वह अमेरिका के साथ बड़ी डील के लिए किसी भी हद तक जा सकता है.

चीन में सेंसरशिप का खेलः चीन में बिना सरकार की मर्जी के पत्ता भी नहीं हिलता तो फिर नूर खान एयरबेस की फोटो बाहर आना महज एक इत्तेफाक तो बिल्कुल नहीं हो सकता.

अमेरिका की नाराजगी और पाकिस्तान पर लटकी तलवार

अगर यह साबित हो जाता है कि पाकिस्तान ईरान की मदद कर रहा है, तो उसके लिए 'विनाशकाले विपरीत बुद्धि' वाली बात हो जाएगी. पाकिस्तान खुद अमेरिका से मिले उ–130 विमानों का इस्तेमाल करता है. अगर वह अमेरिकी तकनीक का इस्तेमाल ईरान जैसे प्रतिबंधित देश को बचाने के लिए कर रहा है, तो अमेरिका उसे बख्शेगा नहीं.

इस खुलासे के बाद पाकिस्तान को मिलने वाली ऋ-16 जैसे सैन्य सहायता और क्टत्र्ऋ जैसे संस्थानों से मिलने वाले कर्ज पर भी संकट आ सकता है.

फिलहाल पाकिस्तान के रक्षा गलियारों में सन्नाटा पसरा है. एक छोटी सी तस्वीर ने ये साबित कर दिया है कि कूटनीति की बिसात पर मोहरे कब पिट जाएं, कुछ कहा नहीं जा सकता. चीन ने अपनी चाल चल दी है, अब देखना है कि पाकिस्तान इस 'धोखे' से कैसे उबरता है.

स्कूल में दोस्ती, दस साल रिलेशन फिर शादी, रिश्ते में दरार भी आई; अपर्णा–प्रतीक की कहानी

(जीएनएस)।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव का लखनऊ में निधन हो गया। उन्हें सुबह करीब 5:55 बजे लखनऊ के सिविल अस्पताल में लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया था। आइए जानते हैं प्रतीक यादव और उनकी की लव लाइफ के बारे में

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और भाजपा नेत्री अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का 38 वर्ष की आयु में

लखनऊ में निधन हो गया है। बुधवार की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रतीक की मौत का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत की वजह साफ हो सकेगी।

प्रतीक यादव, मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। प्रतीक अपने पीछे अपनी पत्नी अपर्णा यादव और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। अपर्णा यादव, जो मूल रूप से उत्तराखंड की रहने वाली हैं, वर्तमान में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं और भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी हैं। उनके पिता अरविंद सिंह एक वरिष्ठ पत्रकार हैं। प्रतीक यादव, समाजवादी पार्टी के राजनीतिक परिवार से जुड़े होने के बावजूद, अपनी एक अलग पहचान रखते थे।

प्रतीक यादव और अपर्णा यादव की प्रेम कहानी कॉलेज के दिनों से शुरू हुई थी। बताया जाता है कि दोनों पहली बार 2001 में मिले थे, वे हाईस्कूल में थे। प्रतीक ने बताया था कि शादी से पहले वो लगभग 10 साल तक रिश्ते में रहे।

दस साल की दोस्ती के बाद प्रतीक यादव (38) और अपर्णा यादव (36) का प्रेम–विवाह 4 दिसंबर 2011 को मुलायम सिंह यादव के पैतृक गांव सैफई में बेहद भव्य समारोह में हुआ था। इस दौरान, अपर्णा ने अपनी शिक्षा पर भी ध्यान केंद्रित किया और मैनचेस्टर से इंटरनेशनल पॉलिटिक्स में मास्टर डिग्री हासिल की थी।

लंबे वैवाहिक जीवन के बावजूद, इस साल दोनों के बीच संबंधों में दरार की खबरें आई। दोनों के तलाक की अटकलें बी लगाई गईं। हालांकि, प्रतीक ने बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपने रिश्ते को गहरा बताते हुए इन अटकलों पर विराम लगा दिया था। राजनीतिक परिवार से जुड़े होने के कारण, उनके निजी जीवन से जुड़ी यह बात अक्सर चर्चा में रही।

सूत्रों के अनुसार, प्रतीक यादव कुछ समय से अस्वस्थ थे और उन्हें कुछ दिनों पहले मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनसे मुलाकात कर उनका हालचाल जाना था।

तबीयत में सुधार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन बुधवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रतीक यादव का यह आकस्मिक निधन राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ा गया है। उनके निधन से परिवार और समर्थकों को गहरा सदमा लगा है।

'3 बार मर कर जिंदा हुई हूं'...नासा और अमेरिकी नेवी से जुड़ी पूर्व वैज्ञानिक इंग्रिड होनकाला ने बताया कब, कैसे और कहां महसूस की मौत?

(जीएनएस)।

कुछ पर्सनल एक्सपीरियंस इंटरनेट पर अचानक सुर्खियां बन जाते हैं, खासकर तब जब उनका संबंध साइंस, चेतना और मौत जैसे बड़े सवालों से हो। ऐसा ही मामला नासा और अमेरिकी नेवी से जुड़ी पूर्व वैज्ञानिक इंग्रिड होनकाला का है। इंग्रिड ने अपने जीवन में तीन बार ठीं१–डेंइँ ए७स्री१ल्लू यानी मौत के बेहद करीब पहुंचने का अनुभव होने का दावा किया है। इंग्रिड का दावा है कि उन्होंने एक नहीं बल्कि तीन–तीन बार मौत का एक्सपीरियंस लिया है। उनका कहना है कि इन घटनाओं ने जीवन, चेतना और मृत्यु को देखने का उनका नजरिया पूरी तरह बदल दिया।

2 साल की उम्र में पानी की टंकी में गिरीं

New York Post की Jam Press के हवाले से छपी रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्रिड होनकाला का पहला Near-Death Experience तब हुआ जब वह सिर्फ 2 साल की थीं। बताया गया कि वह ठंडे पानी से भरी एक टंकी में गिर गई थीं। उस समय उन्हें शुरूआत में काफी डर और घबराहट महसूस हुई थी। उनका शरीर संघर्ष कर रहा था और स्थिति बेहद खतरनाक थी।

'डर खत्म हुआ और अचानक गहरी शांति महसूस हुई'

इंग्रिड का दावा है कि कुछ ही समय बाद उनका अनुभव पूरी तरह बदल गया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा जैसे वह किसी ऐसी वास्तविकता में प्रवेश कर गई हों, जो इंसानी शरीर और पांच इंद्रियों से परे हो। उनके मुताबिक, अचानक डर खत्म हो गया और उसकी जगह बेहद गहरी शांति और स्थिरता ने ले ली। उन्होंने कहा कि वह अनुभव किसी सपने जैसा नहीं बल्कि बेहद वास्तविक महसूस हो रहा था।

शरीर से अलग होने जैसा महसूस हुआ

इंग्रिड होनकाला ने अपने अनुभव को "Out of Body Experience" भी बताया। उनके शब्दों में, "ऐसा लगा जैसे मेरी चेतना मेरे शरीर से अलग हो गई हो।" उन्होंने दावा किया कि वह खुद को "शुद्ध चेतना, जागरूकता और प्रकाश" के रूप में महसूस कर रही थीं। उनका कहना है कि उस दौरान वह आसपास हो रही चीजों को समझ पा रही थीं और अपनी मां को पहचान भी पाईं, जिन्होंने बाद में उन्हें बचाया और होश में लाया।

25 और 52 साल की उम्र में फिर हुए ऐसे अनुभव

इंग्रिड के अनुसार, उनके जीवन में सिर्फ एक बार नहीं बल्कि कुल तीन बार ऐसा हुआ। दूसरा अनुभव उन्हें

25 साल की उम्र में मोटरसाइकिल दुर्घटना के बाद हुआ। वहीं तीसरी बार 52 साल की उम्र में एक मेडिकल इमरजेंसी के दौरान उन्हें फिर वैसा ही एहसास हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों घटनाओं में भी उन्हें वही शांति, जागरूकता और शरीर से परे होने का अनुभव महसूस हुआ।

रहस्यमयी अनुभवों के बाद भी नहीं छोड़ा साइंस का साथ

इन गहरे और रहस्यमयी अनुभवों के बावजूद इंग्रिड होनकाला ने साइंस का रास्ता नहीं छोड़ा। उन्होंने समुद्री साइंस में PhD की और वैज्ञानिक क्षेत्र में अपना करियर बनाया। उनका कहना है कि इन घटनाओं ने उन्हें साइंस से दूर नहीं किया, बल्कि उनकी जिज्ञासा और ज्यादा बढ़ा दी।

'साइंस और आध्यात्मिकता दुश्मन नहीं हैं'

इंग्रिड का मानना है कि साइंस और आध्यात्मिकता को हमेशा एक–दूसरे के विरोधी रूप में नहीं देखना चाहिए। उन्होंने कहा, "संभव है कि साइंस और आध्यात्मिकता दोनों एक ही रहस्य को अलग–अलग नजरियों से समझने की कोशिश कर रहे हों।" उनके मुताबिक, चेतना और जीवन को लेकर अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जिसे इंसान पूरी तरह नहीं समझ पाया है।

इन अनुभवों ने बदल दी जीवन को देखने की सोच

इंग्रिड होनकाला ने बताया कि इन Near-Death Experiences के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई। पहले वह खुद को एक अलग इंसान के रूप में देखती थीं, लेकिन अब उन्हें लगता है कि सभी लोग किसी बड़ी चेतना का हिस्सा हो सकते हैं। उनके अनुसार, इंसान शायद सिर्फ शरीर नहीं बल्कि चेतना की अभिव्यक्ति हैं।

मौत को अब अंत नहीं मानतीं इंग्रिड

इन घटनाओं के बाद इंग्रिड का मृत्यु को देखने का नजरिया भी बदल गया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें मौत "अंत" जैसी नहीं लगती। उनके मुताबिक, यह सिर्फ चेतना के एक रूप से दूसरे रूप में जाने जैसा बदलाव या ट्रांजिशन हो सकता है।

साइंस किसे मानता है Near Death Experiences?

यह लेख इंग्रिड होनकाला द्वारा किए गए दावों और उनके व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित है। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है। वैज्ञानिकों में Near-Death Experiences को लेकर अलग–अलग राय मौजूद हैं।

प्रतीक यादव के निधन के बाद क्यों वायरल हो रहा अखिलेश के साथ का ये वीडियो, भावुक कर देता है भाइयों का प्यार

(जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी (SP) के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के परिवार से आज एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। सपा संस्थापक के छोटे बेटे और अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव का बुधवार सुबह लखनऊ के सिविल अस्पताल में निधन हो गया। मात्र 38 वर्ष की उम्र में उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। इस बीच, सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव और प्रतीक यादव का एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जो दोनों भाइयों के बीच के गहरे प्रेम और सम्मान को दर्शाता है।

वायरल हो रहा यह वीडियो किसी पारिवारिक समारोह का लग रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रतीक यादव अपनी पत्नी अपर्णा यादव और अपनी दोनों बेटियों के साथ समारोह में पहुंचे हैं। जैसे ही उनका सामना बड़े भाई अखिलेश यादव से होता है, अखिलेश मुस्कुराते हुए हाथ आगे बढ़ाते हैं और स्वागत करते हैं। वहीं, छोटे भाई

प्रतीक और उनकी पत्नी अपर्णा यादव झुककर अखिलेश यादव के पैर छूते हैं। दो भाइयों के मिलन का यह दृश्य आज लोगों की आंखें नम कर रहा है।

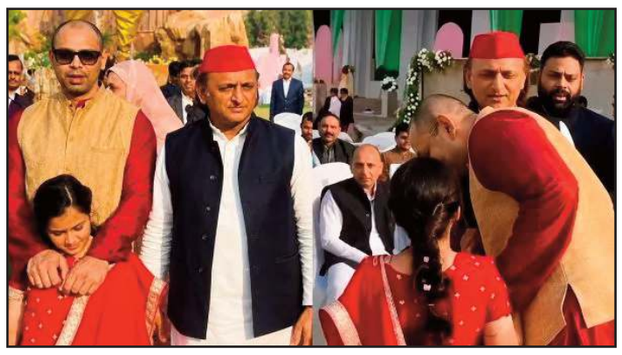

दरअसल, प्रतीक यादव को बुधवार सुबह करीब 5:55 बजे लखनऊ के सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे पिछले कुछ समय से फेफड़ों और लीवर से संबंधित गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

कल होगा अंतिम संस्कार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर भाई को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रतीक को एक 'नेक इंसान' बताया जो हमेशा अपने बिजनेस पर ध्यान केंद्रित रखते थे। प्रतीक यादव का पार्थिव शरीर उनके लखनऊ स्थित आवास पर लाया जा चुका है, जहां सीएम योगी आदित्यनाथ और डिंपल यादव समेत कई दिग्गज नेताओं के पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार कल लखनऊ में किया जाएगा।

प्रतीक यादव राजनीति से दूर रहकर अपना फिटनेस और रियल एस्टेट का बिजनेस संभालते थे। उन्होंने ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स से शिक्षा प्राप्त की थी। प्रतीक यादव अपने पीछे पत्नी अपर्णा यादव और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। पूरा यादव परिवार और उनके समर्थक इस समय गहरे शोक में हैं।

फिल्म इंडस्ट्री को बड़ा झटका, 48 साल के मशहूर एक्टर दिलीप राज का निधन, कैसे गई जान?

मशहूर कन्नड़ एक्टर दिलीप राज का निधन हो गया हो है। 'मिलना' जैसी फिल्मों और 'हिटलर कल्याणा' जैसे टीवी शो के लिए मशहूर दिलीप राज के अचानक निधन से उनके प्रशंसक और मनोरंजन जगत सदमे में है।

(जीएनएस)।

मशहूर कन्नड़ अभिनेता और निमार्ता दिलीप राज अब इस दुनिया में नहीं रहे। बताया जा रहा है कि 48 साल की उम्र में उनका दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। हार्ट अटैक के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके अचानक निधन की खबर से कन्नड़ फिल्म और टेलीविजन जगत सदमे में है, एक्टर के फैंस और को–स्टार अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं और सोशल मीडिया के जरिए श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

शोक में कन्नड़ इंडस्ट्री

अनुभवी अभिनेता डोडन्ना ने दिलीप राज के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, 'दिलीप राज के पिता एच.एम. शिवरुद्रप्पा हैं। वे मूल रूप से अरसिकेरे के रहने वाले थे। उन्होंने और मेरे भाई ने साथ–साथ पढ़ाई की थी। दिलीप राज के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा है।

मेरा दिल दुख रहा है। वे हमारे बच्चों जैसे थे।'

फिल्मों और टीवी इंडस्ट्री में रहे एक्टिव

दिलीप राज फिल्मों के साथ–साथ टेलीविजन, थिएटर और डबिंग में अपने काम के लिए जाने जाते थे। सालों से, उन्होंने कई उल्लेखनीय परियोजनाओं में काम किया, जिनमें 'मिलन', 'यू–टर्न', 'ऑर्केस्ट्रा मैसूर', 'बॉयफ्रेंड' और 'लव मॉकटेल 3' जैसे प्रोजेक्ट शामिल हैं। 'मिलन' में दिवंगत अभिनेता पुनीत राजकुमार के साथ अभिनय करने के बाद उन्हें काफी तारीफ मिली और खलनायक के रूप में उनके अभिनय की व्यापक रूप से सराहना की गई।

इन शोज में किया काम

फिल्मों के अलावा, दिलीप कन्नड़ टेलीविजन पर भी एक जाना–पहचाना चेहरा थे। उन्होंने 'हिटलर कल्याणा', 'कंबड़ा माने', 'जननी', 'अर्ध सत्य', 'रंगोली', 'कुमकुम भाग्य', 'मंगल्या' और 'प्रीतिगति' जैसे धारावाहिकों में काम किया। बाद में उन्होंने 'रथसप्तमी' से टेलीविजन पर वापसी की और कई रियलिटी शोज को भी होस्ट किया। दिलीप राज ने अपने बैनर डीआर क्रिएशन्स के जरिए निर्माण क्षेत्र में भी सफलतापूर्वक कदम रखा। उन्होंने 'पारू', 'ना निन्ना बिदलारे' और 'कृष्णा रुक्कू' जैसे धारावाहिकों का निर्माण किया। 'हिटलर कल्याणा' में मुख्य भूमिका ने टेलीविजन दर्शकों के बीच उनकी लोकप्रियता को और मजबूत किया।

मोहम्मद शमी को नहीं मिलेगी टीम इंडिया में जगह, अजित अगरकर की रणनीति आई सामने, चाह रहे नये खिलाड़ियों पर नजर रखना

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट में इस समय केवल IPL 2026 की गूंज है, लेकिन पर्दे के पीछे चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने रेड–बॉल क्रिकेट के भविष्य को लेकर बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। खबर आ रही है कि जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले इकलौते टेस्ट मैच में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर नजरअंदाज किया जा सकता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति अब केवल नाम के आधार पर खिलाड़ियों को मौका देने के मूड में नहीं है। हालांकि यह मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) का हिस्सा नहीं है, फिर भी सेलेक्टर्स इसे एक्सपेरिमेंटल मैच की तरह नहीं देख रहे हैं। इससे संकेत मिल रहा है कि शमी अब भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं हैं और चयन समिति का ध्यान नए तेज गेंदबाजों की तरफ है।

नए चेहरों पर है अगरकर की नजर

आकिब नबीः जम्मू–कश्मीर

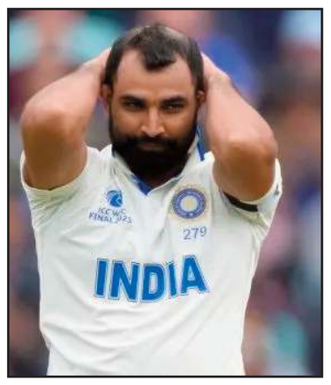

के इस गेंदबाज ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन में अपनी रफ्तार और स्विंग से सबको चौंकाया है। उनकी ऐतिहासिक सफलता ने उन्हें नेशनल टीम के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है।

नितीश कुमार रेड्डीः भारत को लंबे समय से एक सीम–बॉलिंग ऑलराउंडर की तलाश है। टीम मैनेजमेंट उन्हें हार्दिक पांड्या के टेस्ट विकल्प के तौर पर देख सकता है।

अंशुल कंबोज और गुरनूर बरारः इंडिया–ए के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले इन दोनों गेंदबाजों को भी भविष्य की योजनाओं में शामिल किया गया है।

बुमराह और सिराज की भूमिका

IPL 2026 के तुरंत बाद होने वाले इस टेस्ट मैच के लिए जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है, ताकि उनके वर्कलोड को मैनेज किया जा सके। वहीं, मोहम्मद सिराज को उनकी बेहतरीन फिटनेस के कारण प्लेइंग इलेवन में जगह मिलना लगभग तय है। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि नए नामों में कौन टीम इंडिया में शामिल होता है। सामने अफगानिस्तानी टीम है लेकिन भारतीय चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। हालिया समय में टीम इंडिया का टेस्ट प्रदर्शन गिरता चला गया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

ब्राह्मणों को कहा वैश्या, फिर मांगी माफी! भाजपा को पेनल्टी कॉर्नर दे रहे समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी (SP) के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के एक कथित बयान ने राजनीतिक माहौल गर्मा दिया है।

ब्राह्मण समुदाय को लेकर की गई टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने सपा को घेर लिया है, वहीं कांग्रेस ने भी इस बयान की कड़ी निंदा की है। मामला इतना बढ़ गया कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने मंगलवार, 12 मई को राजकुमार भाटी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी साल में इस तरह का विवाद समाजवादी पार्टी के लिए भारी पड़ सकता है, खासकर तब जब पार्टी लगातार ब्राह्मण वोटरों को साधने की कोशिश कर रही है।

क्या है पूरा मामला?

विवाद की शुरूआत एक वायरल वीडियो से हुई, जिसमें समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी कथित तौर पर यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं-न तो ब्राह्मण अच्छा होता है और न ही कोई तवायफ। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और देखते ही देखते राजनीतिक विवाद में बदल गया। बीजेपी नेताओं ने इसे ब्राह्मण समाज का अपमान बताते हुए सपा पर हमला बोल दिया।

पुलिस ने दर्ज किया केस, भारी विरोध के बाद मांगी माफी

मामले में भाजपा नेता अजय शर्मा की शिकायत के आधार पर गाजियाबाद के कवि नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने राजकुमार भाटी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 196(1) के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा धर्म या समुदाय के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी या वैमनस्य फैलाने से जुड़ी है। शिकायत में कहा गया कि भाटी की टिप्पणी से ब्राह्मण समुदाय की धार्मिक और सामाजिक भावनाएं आहत हुई हैं।

वीडियो वायरल होने और विवाद बढ़ने के बाद राजकुमार भाटी ने सफाई दी और माफी मांग ली। उन्होंने दावा किया कि उनके भाषण के कुछ हिस्सों को काटकर सोशल मीडिया पर फैलाया गया ताकि गलत संदेश दिया जा सके। भाटी ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी समुदाय का अपमान करना नहीं था। हालांकि राजनीतिक दलों ने उनकी सफाई को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और इसे "सपा की मानसिकता" से जोड़कर हमला जारी रखा।

भाजपा-कांग्रेस ने सपा पर साधा निशाना

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा- समाजवादी पार्टी का असली चरित्र और उसकी नफरत भरी मानसिकता एक बार फिर सामने आ गई है। बीजेपी नेताओं का कहना है कि सपा लगातार जातीय और सामाजिक विभाजन की राजनीति करती रही है और यह बयान उसी सोच को दिखाता है।

दिलचस्प बात यह रही कि इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भी समाजवादी पार्टी का बचाव नहीं किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि किसी भी समुदाय के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने लिखा-राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन पूरे समुदाय का अपमान करना बिल्कुल गलत है। सिर्फ माफी मांगना काफी नहीं होगा। ऐसे गैर-जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस के इस बयान को राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है क्योंकि यूपी में विपक्षी दलों के बीच पहले से ही समीकरणों को लेकर चर्चाएं चलती रहती हैं।

चुनावी साल में सपा के लिए क्यों बड़ा मुद्दा? BJP को मिला पेनल्टी कॉर्नर

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह विवाद समाजवादी पार्टी के लिए चुनावी तौर पर नुकसानदायक साबित हो सकता है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वोटर लंबे समय से बीजेपी का महत्वपूर्ण समर्थन आधार माने जाते हैं। हालांकि पिछले कुछ सालों में सपा और अन्य विपक्षी दल भी ब्राह्मण समुदाय को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में सपा प्रवक्ता का यह बयान विपक्षी पार्टी की रणनीति को झटका दे सकता है।

चुनावी साल से पहले इस तरह की बयाबाजी बीजेपी के लिए पेनल्टी कॉर्नर जैसा मौका बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीजेपी इस मुद्दे को ब्राह्मण सम्मान और सामाजिक अपमान के रूप में पेश कर सकती है। खासकर तब जब राज्य में चुनावी माहौल धीरे-धीरे गर्म हो रहा है। बीजेपी पहले भी कई मौकों पर विपक्षी नेताओं के विवादित बयानों को बड़ा चुनावी मुद्दा बना चुकी है।

सोशल मीडिया पर भी तेज हुई बहस

मामले के बाद सोशल मीडिया पर भी बहस छिड़ गई है। अब नजर इस बात पर है कि समाजवादी पार्टी राजकुमार भाटी के खिलाफ कोई आंतरिक कार्रवाई करती है या नहीं। अब तक पार्टी नेतृत्व की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन राजनीतिक दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। फिलहाल यह विवाद सिर्फ एक बयान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उत्तर प्रदेश की जातीय और चुनावी राजनीति का नया मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है।

साहित्यिक योद्धाओं का अनूठा महोत्सव 3 और 4 अक्टूबर को लखनऊ में होगा

लिटरेरी वॉरियर्स ग्रुप के चौथे लिटफेस्ट में देश-विदेश के रचनाकार होंगे शामिल

मुंबई, 13 मई। साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय, प्रगतिशील एवं समावेशी मंच "लिटरेरी वॉरियर्स ग्रुप (एलडब्ल्यूजी)" अपने चौथे वार्षिक साहित्य महोत्सव "लिटफेस्ट 4.0" का आयोजन आगामी 3 और 4 अक्टूबर, 2026 को लखनऊ में करने जा रहा है। इस दो दिवसीय आयोजन में देश-विदेश के लेखक, कवि, साहित्यकार और कला प्रेमी बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

यह जानकारी देते हुए देश की सुप्रसिद्ध साहित्यकार और इस ग्रुप की संस्थापक नीलम सक्सेना चंद्रा ने बताया कि साल 2011 में भारत में स्थापित एलडब्ल्यूजी ने एक ऑनलाइन साहित्यिक मंच के रूप में अपनी शुरूआत की थी, जो आज लगभग 1,200 सदस्यों के साथ एक सशक्त अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है। इस समूह से भारत के साथ-साथ अमेरिका, यूरोप, पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के विभिन्न रचनाकार जुड़े हुए हैं। समूह का उद्देश्य विभिन्न आयु वर्ग, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लेखकों एवं पाठकों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहाँ रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिले और साहित्यिक संवाद को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने कहा कि एलडब्ल्यूजी समावेशिता, समान अवसर और सामूहिक विकास जैसे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में लिटफेस्ट 4.0 के अंतर्गत अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। इनमें हिंदी, अंग्रेजी और मराठी भाषाओं में ऑनलाइन काव्य प्रतियोगिता, हिंदी और अंग्रेजी में पुस्तक प्रतियोगिता, पुस्तक विमोचन, काव्य पाठ, नज्म प्रस्तुतियाँ और विभिन्न साहित्यिक कार्यशालाएं शामिल रहेंगी। इनके अतिरिक्त, एलडब्ल्यूजी संस्था वर्ष भर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में काव्य गोष्ठियाँ, कहानी पाठ, लेखन प्रतियोगिताएं पैनल चर्चाएं नाटक और संवादात्मक सत्र आयोजित करती रही है, जिसके फलस्वरूप सभी सदस्यों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। एलडब्ल्यूजी समूह अपने सदस्यों की साहित्यिक कृतियों के प्रकाशन और प्रचार के लिए भी विशेष रूप से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि समूह का पहला संकलन 'As a Beginner for a Beginning' जनवरी, 2015 में प्रकाशित हुआ था, जबकि हालिया संकलन 'वक्त एक रहस्य - Unscramblinfg Time' नवम्बर, 2024 में प्रकाशित हुआ। इनके अलावा 'शजर की छाँव तले', 'गूंज - Breaking the Shackles', 'अयोध्या - राम और सीता रिटर्न' तथा 'Curry for the Spirited Soul' जैसे संकलन प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हैं। मुंबई में संस्था के वरिष्ठ प्रतिनिधि ने बताया कि एलडब्ल्यूजी ने 6 जनवरी, 2023 को अपना पहला ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें मशहूर लेखिका नीलम सक्सेना चंद्रा की पुस्तक का विमोचन किया गया। इसके बाद समूह ने मुंबई के नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए), लखनऊ के राष्ट्रीय पुस्तक मेला और पुणे के कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग जैसे प्रतिष्ठित स्थलों पर सफलतापूर्वक अनेक कार्यक्रम आयोजित किये हैं। इन आयोजनों में कविता पाठ, पुस्तक विमोचन, नृत्य संगीत प्रस्तुतियाँ और कला प्रदर्शनियाँ प्रमुख आकर्षण रही हैं। एलडब्ल्यूजी का पहला लिटफेस्ट 18 नवम्बर, 2023 को नई दिल्ली स्थित साहित्य अकादमी में आयोजित हुआ था। इसके पश्चात दूसरा संस्करण 14-15 दिसम्बर, 2024 को पुणे और तीसरा संस्करण 4-5 अक्टूबर, 2025 को यशदा, पुणे में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अब यह महोत्सव साहित्य और कला के एक प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि लिटफेस्ट 4.0 के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई हैं तथा विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे। कार्यक्रम से सम्बंधित विस्तृत जानकारी एलडब्ल्यूजी की आधिकारिक वेबसाइट, फेसबुक और इंस्टाग्राम पेज पर उपलब्ध कराई जायेगी। इस महोत्सव के माध्यम से एलडब्ल्यूजी एक बार फिर साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

सूरत की कपड़ा फैक्टरी से मुक्त कराए गए 91 नन्हें बाल मजदूर, सबसे छोटा महज 7 साल का

सरकार, प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की छापे की एक साझा कार्रवाई में ट्रैफिकिंग के जरिए लाए गए और सूरत की एक कपड़ा फैक्टरी में मामूली पैसों पर खटाए जा रहे 91 बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया। मुक्त कराए गए इन बच्चों की उम्र सात से 14 के बीच है। हालांकि भनक लगते ही सभी ट्रैफिकर और फैक्टरी मालिक मौके से फरार हो गए। मुक्त कराए गए बच्चों में से ज्यादातर राजस्थान के जनजातीय इलाकों के हैं जबकि तीन उत्तर प्रदेश के और एक-एक बच्चे झारखंड व बिहार के हैं। इन सभी को बाल कल्याण समिति, सूरत के समक्ष पेश किया गया और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गायत्री सेवा संस्थान (जीएसएस) की छानबीन के आधार पर हुई छापे की इस कार्रवाई में जीएसएस सहित राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, राजस्थान के 22 पुलिस अफसरों, सूरत के पूना थाने के अफसरों के साथ नागरिक समाज संगठन एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) भी शामिल था। एवीए और जीएसएस देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के काम कर रहे 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी हैं।

गायत्री सेवा संस्थान महीने भर से सूरत की इस कपड़ा फैक्टरी की निगरानी कर रहा था और छानबीन में यहां बड़ी संख्या में बाल मजदूरों की मौजूदगी की पुष्टि के बाद उसने एनसीपीसीआर को इसकी जानकारी दी। मुक्त कराए बच्चों ने फिर पुलिस को सुराग दिए और उन्हें उन जगहों का पता बताया जहां बाल मजदूरी कराई जा रही थी। गायत्री सेवा संस्थान के

निदेशक डॉ. शैलेंद्र पंड्या ने बताया, 'बच्चे हमें एक इमारत के पास ले गए जो बाहर से बंद थी। लेकिन उन्होंने बताया कि अंदर बच्चे काम कर रहे हैं। हम जब अंदर गए तो पाया कि वहां सात साल तक के बच्चों से काम कराया जा रहा था। सभी बच्चे घबराए हुए और बदहवासी की हालत में थे और 12 घंटे की शिफ्ट में काम करने के बाद थके हुए थे।'

डॉ. पंड्या ने बताया कि अंदर जाने के बाद वे बच्चों की बदहाली देखकर दंग रह गए। आठ साल के एक बच्चे के पास पहनने को शर्ट तक नहीं थी। वह दूसरे बच्चों के पीछे छिप गया और उनसे पूछ रहा था कि क्या कोई थोड़ी देर के लिए अपनी शर्ट उसे दे सकता है। उन्होंने पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि पुलिस और सभी हितधारकों की त्वरित कार्रवाई और मामले को गंभीरता से लेने के कारण ही इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को मुक्त करा पाना संभव हो पाया।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इन बाल दुव्यार्पारियों और फैक्टरी मालिकों ने संदेह से बचने के लिए तमाम तरीके अपना रखे थे। छोटे बच्चों को बिल्कुल सुबह यहां लाया जाता था और फिर इमारत के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए जाते थे। शाम को सात बजे काम की शिफ्ट खत्म हो जाने के बाद ही दरवाजे खोले जाते थे।

इन सभी बच्चों को आस-पास की कालोनियों में बहुत ही दयनीय और अमानवीय हालत में रखा जाता था। एक छोटे से कमरे में 10 से 12 बच्चे रहते थे जहां बुनियादी सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं था। पूछताछ के दौरान कुछ बच्चों ने बताया कि उनके माता-पिता को पता था कि उन्हें मजदूरी के लिए यहां लाया गया है। उधर, ज्यादातर छोटे बच्चों ने बताया कि उन्हें घुमाने के नाम पर यहां लाया गया था और उन्हें कतई अंदाजा नहीं था कि यहां उनसे मजदूरी कराई जाएगी। यह भी पता चला कि कुछ बच्चे इन कपड़ा इकाइयों में तीन-चार साल से काम कर रहे थे जबकि बाकियों को हाल ही में यहां लाया गया था। मुक्त कराए गए बच्चों में आठ और दस साल के दो भाई भी थे जिन्हें राजस्थान के उदयपुर जिले से लाया गया था।

ट्रैफिकिंग गिरोहों और बाल मजदूरी के तार मजबूती से जुड़े होने को रेखांकित करते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा, 'इस छापे से यह तथ्य स्थापित हो जाता है कि ट्रैफिकिंग गिरोह कितने संगठित हैं और उनकी जड़ें कितनी गहरी हैं। खास तौर से जनजातीय इलाकों और संवेदनशील परिवारों के बच्चों को झूठे वादों के जाल में फंसा कर ऐसी शोषणकारी परिस्थितियों में धकेल दिया जाता है जहां वे बाहरी दुनिया से कट जाते हैं और अपना बचपन खो बैठते हैं। यह मामला एक बार फिर अंतरराज्यीय समन्वय को मजबूत बनाने, बाल मजदूरी की मांग व आपूर्ति पर नजर बनाए रखने, बच्चों का शोषण करने वाले नियोक्ताओं और शोषण में शामिल सभी बिचौलियों की धरपकड़ और उनकी जवाबदेही तय करने की तत्काल जरूरत को साबित करता है।'

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

जितेंद्र परमार

8595950825

निरमा ग्रुप के संस्थापक के हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग क्यों? पोते ध्रुमी पटेल की कैसे बची जान? क्या हुआ था हवा में?

(जीएनएस)।

गुजरात के नवसारी जिले से बुधवार (13 मई) को एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां मारोली के पास भाथा गांव के नजदीक एक खुले खेत में निरमा ग्रुप के हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग हुई। हेलीकॉप्टर में निरमा ग्रुप के संस्थापक करसनभाई पटेल के पोते ध्रुमी पटेल समेत पांच यात्री सवार थे।

पायलट की सूझबूझ से सभी की जान बच गई। सभी सुरक्षित हैं, किसी को कोई चोट नहीं आई। घटना ने न सिर्फ स्थानीय स्तर पर सनसनी फैलाई, बल्कि निजी हेलीकॉप्टर सुरक्षा, गुजरात के औद्योगिक घरानों की लग्जरी लाइफस्टाइल और एविएशन रेगुलेशन पर गहन बहस छेड़ दी है।

यह घटना महज एक तकनीकी खराबी की कहानी नहीं है। यह गुजरात के उद्यमिता मॉडल, पटेल परिवार की विरासत, राजनीति-उद्योग के गहरे रिश्तों और भारत में बढ़ते प्राइवेट एविएशन से जुड़े जोखिमों की विस्तृत एक्सप्लेनर है।

कैसे-क्यों? क्या हुआ था हवा में?

निजी यात्रा पूरी कर सूरत से मुंबई लौट रहे हेलीकॉप्टर में अचानक हवा में यांत्रिक खराबी आ गई। यात्रियों में दहशत फैल गई। पायलट और सह-पायलट ने तुरंत स्थिति का आकलन किया। घनी आबादी वाले इलाके में लैंडिंग का जोखिम उठाने के बजाय सह-पायलट जतिन कुमार ने सूझबूझ दिखाई और भाथा गांव के पास एक खुले कृषि मैदान को चुना।

ग्रामीणों ने हेलीकॉप्टर को तेजी से नीचे उतरते देखा। कुछ ने सोचा कि कोई दुर्घटना हो गई है। वे घटनास्थल पर जमा हो गए। पुलिस को बुलाया गया। हेलीकॉप्टर सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी पांच यात्रियों को निकाला गया। उन्हें सड़क मार्ग से आगे मुंबई भेज दिया गया। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया, 'पायलट का निर्णय गेम चेंजर साबित हुआ। खुले क्षेत्र को चुनकर उन्होंने न सिर्फ यात्रियों की जान बचाई, बल्कि जमीन पर भी किसी बड़े नुकसान को रोका।'

एक साम्राज्य की कहानी

करसनभाई पटेल (जन्म 1945) गुजरात के पाटन जिले के एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। सरकारी नौकरी छोड़कर उन्होंने 1969 में साइकिल पर डिटरजेंट बेचना शुरू किया। उनकी बेटी निरूपमा के नाम पर ब्रांड निरमा रखा। फ़र. 3 प्रति किलो की कीमत पर लॉन्च हुआ यह प्रोडक्ट बहुराष्ट्रीय कंपनियों को टक्कर देने लगा। आज निरमा ग्रुप डिटरजेंट, साबुन, सीमेंट, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, पैकेजिंग और एजुकेशन में फैला हुआ है। करसनभाई को 2010 में पद्म श्री मिला। Nirma University उनकी वरासत का हिस्सा है। परिवार के सदस्य, राकेश पटेल, हिरेन पटेल आदि ग्रुप को संभाल रहे हैं।

निरमा ग्रुप गुजरात के औद्योगिक परिदृश्य का अहम स्तंभ है। अहमदाबाद-आधारित यह परिवार न सिर्फ बिजनेस में, बल्कि सामाजिक-शैक्षिक क्षेत्र में भी सक्रिय है। 2013 में ही करसनभाई ने लग्जरी हेलीकॉप्टर खरीदा था। आज ग्रुप के पास प्राइवेट एविएशन एसेट्स हैं, जो बिजनेस की तेज रफ्तार को दशार्ते हैं।

राजनीतिक आयाम: गुजरात में उद्योग और सत्ता का गठजोड़

गुजरात में पटेल समुदाय का राजनीतिक वजन हमेशा से रहा है। 2015 के पटेल आरक्षण आंदोलन में भी करसनभाई पटेल के बयानों पर विवाद हुआ था। इखढ नेता हार्दिक पटेल ने उन्हें समुदाय को बांटने का आरोप लगाया था।

निरमा जैसे ग्रुप्स गुजरात मॉडल का प्रतीक माने जाते हैं, जहां उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर और राजनीति एक-दूसरे को सपोर्ट करते हैं। अहमदाबाद-वडोदरा-सूरत कॉरिडोर में इन कंपनियों की भूमिका निर्णायक है।

एक चेतावनी और सीख

निरमा ग्रुप का हेलीकॉप्टर सुरक्षित उतर गया, लेकिन यह घटना भारत के एविएशन सेक्टर के लिए वेक-अप कॉल है। जहां एक तरफ आर्थिक विकास हो रहा है, वहीं सुरक्षा मानकों को और मजबूत करने की जरूरत है। करसनभाई पटेल की कहानी साइकिल से साम्राज्य तक की है। उनकी पोस्ट की पीढ़ी अब हेलीकॉप्टर उड़ा रही है। यह प्रगति है, लेकिन जिम्मेदारी भी। DGCA ने प्रारंभिक रिपोर्ट में पायलट की सूझबूझ की सराहना की है। विस्तृत जांच जारी। निरमा ग्रुप ने बयान जारी कर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है।

थाईलैंड में लखनऊ के युवक की मौत, दोस्तों संग घूमने गया था फुकेट, कैफे में बिगड़ी तबियत, 3 अस्पताल में भर्ती

लखनऊ के गोमतीनगर निवासी कुशाग्र अग्रवाल की थाईलैंड के फुकेट में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह अपने चार दोस्तों के साथ घूमने गया था।

(जीएनएस)।

लखनऊः राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर निवासी 26 वर्षीय कुशाग्र अग्रवाल की थाईलैंड के फुकेट में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से परिवार और शहर में सनसनी फैल गई है। कुशाग्र अपने चार दोस्तों के साथ थाईलैंड घूमने गया था। बताया जा रहा है कि 8 मई की रात सभी दोस्त फुकेट के कमला बीच स्थित एक कैफे में खाना खाने पहुंचे थे, जहां देर रात अचानक कुशाग्र समेत चार युवकों की तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान कुशाग्र की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद थाईलैंड पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शुरूआती जांच में ड्रग्स ओवरडोज का एंगल भी सामने आया है।

दोस्तों के साथ घूमने गया था फुकेट

जानकारी के अनुसार, लखनऊ में गोमतीनगर के विशालखंड इलाके में रहने वाला कुशाग्र अग्रवाल अपने दोस्तों राहुल अग्रवाल, अमन अग्रवाल, एक अन्य राहुल अग्रवाल और भोपाल निवासी आर्यन वर्मा के साथ थाईलैंड घूमने गया था। पांचों दोस्त 8 मई की रात करीब 11 बजे फुकेट के कमला बीच स्थित एक कैफे पहुंचे थे।

थाई पुलिस के मुताबिक सभी ने वहां खाना खाया, लेकिन रात करीब 1:45 बजे अचानक कुशाग्र, अमन और दोनों राहुल की तबीयत बिगड़ गई और वे संदिग्ध हालात में बेहोश हो गए। कैफे कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद चारों को अस्पताल पहुंचाया गया।

इलाज के दौरान हुई कुशाग्र की मौत

चारों युवकों को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर कुशाग्र और राहुल को बेहतर इलाज के लिए बचिरा फुकेट अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान 9 मई को कुशाग्र की मौत हो गई। वहीं अन्य युवकों का इलाज जारी है। आर्यन वर्मा की हालत सामान्य बताई जा रही है।

भारतीय दूतावास भी सक्रिय

घटना की जानकारी थाईलैंड पुलिस ने भारतीय दूतावास को दी। इसके बाद भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जारी कर कहा कि वह थाई अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। दूतावास ने मृतक युवक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य भारतीय युवकों की स्वास्थ्य स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है।

ड्रग्स ओवरडोज एंगल पर जांच

इस मामले में अब ड्रग्स ओवरडोज का एंगल भी सामने आने लगा है। फुकेट की कमला बीच पुलिस के प्रमुख कर्नल अनुराक प्रिन्यासाथिराकुर ने स्थानीय मीडिया से बातचीत में बताया कि शुरूआती मेडिकल जांच में कुशाग्र और उसके तीन दोस्तों के शरीर में नशीले पदार्थों के संकेत मिले हैं।

प्रिय भाई, मैं इस मुश्किल समय में हमेशा आपके साथ हूं डीएमके प्रमुख व तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अखिलेश को दी सांत्वना

डीएमके प्रमुख व तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया और अखिलेश यादव को सांत्वना दी है।

(जीएनएस)।

लखनऊ,

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के निधन पर तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शोक व्यक्त किया है और सांत्वना व्यक्त की है।

बीपी, हाइपरटेंशन और इस बीमारी से परेशान थे प्रतीक, चार माह पहले फेफड़ों में हुआ था संक्रमण

स्टालिन ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि वह अखिलेश यादव और उनके परिवार के साथ इस मुश्किल समय में हमेशा खड़े हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को "प्रिय भाई" बताया। स्टालिन ने कहा, "समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के निधन से मैं बहुत दुखी हूं।

अखिलेश यादव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, दिया बयान

प्रतीक यादव की मौत के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। वहां उन्होंने प्रेस से बात करते हुए कहा कि प्रतीक से मेरी दो महीने पहले मुलाकात हुई थी। प्रतीक जुझारू किस्म का इंसान था। वह अपने स्वास्थ्य लेकर सजग था। जीवन में वह आगे बढ़ना चाहता था। उसके इस तरह से चले जाने का दुख है। वह अपनी मेहनत से कुछ करना चाहता था। मौत की वजहों पर उन्होंने कहा कि इस पर जांच होनी चाहिए। परिवार इस मामले में जो फैसला लेगा उसका सम्मान होना चाहिए।

निधन की खबर ने सबको हैरान कर दिया

मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। प्रतीक यादव के निधन की खबर ने सबको हैरत में डाल दिया। प्रतीक 38 साल के थे। शुरूआती जानकारी मिली है कि सुबह करीब छह बजे सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लाए गए थे। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करके उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी मिली है कि बुधवार को प्रतीक की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। अभी तक प्रतीक की मौत की वजह साफ नहीं हुई है। मुलायम सिंह के बेटे प्रतीक अपने पीछे पत्नी अपर्णा और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पत्नी अपर्णा यादव राजधानी लखनऊ में नहीं थीं। प्रतीक यादव के निधन की खबर मिलते ही नेताओं का लखनऊ के सिविल अस्पताल में जमा होना शुरू हो गया।

लखनऊ में प्रेशर हॉर्न के खिलाफ ताबड़तोड़ एक्शन, 13 बाइक सीज, नौ का चालान

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 10 हजार तक का लगाया जा रहा जुमार्ना

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश में मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न के खिलाफ अब अधिकारियों ने ताबड़तोड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया है. मोडिफाइड साइलेंसर वाली बाइक और प्रेशर हॉर्न वाले वाहनों को सीज किया जा रहा है और उनका चालान भी हो रहा है. परिवहन विभाग की तरफ से ये सख्त कार्रवाई हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बाद शुरू हुई है, जिसमें न्यायालय ने कहा है कि ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले ऐसे वाहनों पर कड़ी कार्रवाई हो.

परिवहन विभाग ने मंगलवार को ट्रैफिक पुलिस के साथ मोडिफाइड साइलेंसर, हूटर-सायरन और प्रेशर/मल्टीटोंड हॉर्न के खिलाफ विशेष अभियान चलाया. कार्रवाई के दौरान कानफोडू आवाज करने वाले साइलेंसर लगी नौ मोटरसाइकिलों का चालान किया गया, जबकि 13 वाहनों को सीज कर दिया गया. इसके साथ ही ऐसे उपकरण बेचने वाले 20 दुकानदारों और सर्विस सेंटर संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई.

लखनऊ के एआरटीओ प्रवर्तन आलोक कुमार यादव के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने अमौसी, आलमबाग, बादशाह नगर, पीजीआई, लालबाग और कैसरबाग समेत कई क्षेत्रों में दुकानों, शोरूम और सर्विस सेंटरों की जांच की. जांच के दौरान कई वाहनों में मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न लगे मिले. अधिकारियों ने संबंधित दुकान मालिकों और सर्विस सेंटर संचालकों को भविष्य में ऐसे उपकरण न बेचने और न लगाने की हिदायत दी. अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में 13 मोटरसाइकिलों को सीज कर थानों में बंद कराया गया, जबकि नौ बाइक का चालान किया.

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत ऐसे वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है. नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 10 हजार से 11 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि पांच ओवरलोड वाहनों को सीज किया गया है, पांच का चालान किया गया. इसके अलावा एचएसआरपी न लगे हुए नौ वाहनों के खिलाफ भी चालान की कार्रवाई की गई.

एआरटीओ आलोक यादव ने बताया कि मोडिफाइड साइलेंसर और तेज आवाज वाले हॉर्न से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और आम लोगों को परेशानी होती है. चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा. मंगलवार को चेकिंग अभियान में यात्री कर अधिकारी अनिता वर्मा, सूर्य प्रताप देव और आभा त्रिपाठी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे.

बंगाल में नया सियासी संदेश! भवानीपुर से शपथ, नंदीग्राम सीट छोड़ेंगे दोनों से सीट से जीत हासिल करने वाले सीएम सुवेंदु अधिकारी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम विधानसभा सीट छोड़ने जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव में उन्होंने दो सीटों भवानीपुर और नंदीग्राम से चुनाव लड़ा था और दोनों जगह जीत हासिल की थी।

अब उन्होंने संकेत दे दिए हैं कि वह भवानीपुर सीट अपने पास रखेंगे और नंदीग्राम सीट छोड़ देंगे।

खास बात यह है कि भवानीपुर सीट वही सीट है जहां सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को बड़े अंतर से हराया था। इस जीत को बंगाल की राजनीति में बड़ा उलटफेर माना जा रहा है।

विधानसभा पहुंचते ही सीढ़ियों पर टेका माथा

मुख्यमंत्री बनने के बाद सुवेंदु अधिकारी जब पहली बार पश्चिम बंगाल विधानसभा पहुंचे तो उनका अंदाज चर्चा का विषय बन गया। विधानसभा भवन में प्रवेश करने से पहले उन्होंने अपनी चप्पल उतारी और सीढ़ियों पर माथा टेककर लोकतंत्र और सदन के प्रति सम्मान जताया। इसके बाद उन्होंने चप्पल पहनी और विधानसभा के अंदर प्रवेश किया। उनकी यह तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। बीजेपी नेताओं और समर्थकों ने इसे लोकतंत्र और संविधान के प्रति सम्मान का प्रतीक बताया।

भवानीपुर सीट से ली विधायक पद की शपथ

सुवेंदु अधिकारी ने विधानसभा में विधायक के रूप में शपथ ली। उन्होंने बताया कि परंपरा के अनुसार सभी विधायक शपथ लेते हैं और मुख्यमंत्री होने के नाते उन्होंने सबसे पहले शपथ ग्रहण किया। उन्होंने कहा- आज 148 विधायक शपथ लेंगे। मैंने मुख्यमंत्री के तौर पर पहले शपथ ली है और मैंने भवानीपुर सीट से शपथ

ली है। यह प्रक्रिया कल तक चलेगी और उसके बाद स्पीकर का चुनाव होगा। उनके इस बयान के बाद लगभग साफ हो गया कि वह भवानीपुर सीट अपने पास रखेंगे।

क्यों छोड़ रहे हैं नंदीग्राम सीट?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सुवेंदु अधिकारी के लिए भवानीपुर सीट राजनीतिक रूप से ज्यादा अहम बन चुकी है, क्योंकि इसी सीट पर उन्होंने ममता बनर्जी को हराया था। भवानीपुर लंबे समय तक ममता बनर्जी का गढ़ माना जाता रहा है। ऐसे में वहां से मिली जीत बीजेपी और सुवेंदु अधिकारी दोनों के लिए बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है। यही वजह है कि अब अधिकारी इस सीट को छोड़ना नहीं चाहते।

नंदीग्राम के लोगों को कमी महसूस नहीं होने दूंगा:

हालांकि सीट छोड़ने की चर्चा के बीच सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम की जनता को भरोसा दिलाने की कोशिश की। उन्होंने कहा-"मैं नंदीग्राम के लोगों को अपनी कमी महसूस नहीं होने दूंगा। वहां के लोगों के साथ-साथ पूरे राज्य से किए गए विकास के वादों को पूरा करूंगा।" उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 2008 के नंदीग्राम पुलिस फायरिंग कांड के दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों का साथ दिया था। अधिकारी ने कहा-मैंने नंदीग्राम पुलिस फायरिंग में शहीद हुए व्यक्ति की मां फिरोजा बीबी का पूरा समर्थन किया था, जबकि उस समय मैं आधिकारिक तौर पर उस सीट का विधायक नहीं था। इस बार भी मैं उसी तरह लोगों के साथ खड़ा रहूंगा।"

ममता बनर्जी को हराकर बने राष्ट्रीय चर्चा का केंद्र

इस चुनाव में सुवेंदु अधिकारी की सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी को हराना रही। उन्होंने टीएमसी सुप्रीमो को 15 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया। इस हार को ममता बनर्जी और टीएमसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल, सुवेंदु अधिकारी कभी ममता बनर्जी के बेहद करीबी सहयोगियों में गिने जाते थे। लेकिन बाद में उन्होंने बीजेपी जॉइन कर ली और अब वही ममता बनर्जी के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरे हैं।

पीएम मोदी की अपील पर भी बोले सुवेंदु

सुवेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अपील का समर्थन करते हुए कहा कि देशहित में लिए गए फैसलों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा-प्रधानमंत्री ने देशहित और जनता के हित में जो कदम उठाए हैं, हमें उनका पालन करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के डीजीपी को निर्देश दिया है कि उनके काफिले में जरूरत से ज्यादा गाड़ियां न रखी जाएं।

बंगाल राजनीति में नए दौर की शुरूआत?

विशेषज्ञों का मानना है कि सुवेंदु अधिकारी का नंदीग्राम सीट छोड़ना सिर्फ एक राजनीतिक प्रक्रिया नहीं बल्कि एक बड़ा संदेश भी है। भवानीपुर से विधायक बने रहकर वह यह दिखाना चाहते हैं कि अब बंगाल की राजनीति में बीजेपी सीधे ममता बनर्जी के पारंपरिक गढ़ों को चुनौती दे सकती है। वहीं नंदीग्राम सीट खाली होने के बाद वहां उपचुनाव भी होना तय माना जा रहा है, जिससे बंगाल की राजनीति में एक और बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

अब सभी की नजर इस बात पर है कि नंदीग्राम सीट से बीजेपी किसे उम्मीदवार बनाती है, क्या टीएमसी इस सीट को वापस जीतने की कोशिश करेगी और भवानीपुर में सुवेंदु अधिकारी किस तरह अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करते हैं। फिलहाल इतना तय है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में सुवेंदु अधिकारी अब बीजेपी के सबसे बड़े चेहरे के तौर पर पूरी तरह स्थापित हो चुके हैं।

चीन पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एयरपोर्ट पर रिसीव करने नहीं आए शी जिनपिंग, ड्रैगन का दुनिया को सीधा संदेश

(जीएनएस)।

चीन की समाचार एजेंसी के मुताबिक, बीजिंग में ट्रंप का स्वागत चीन के उपराष्ट्रपति ने किया. उपराष्ट्रपति झेंग के साथ एयरपोर्ट पर बीजिंग में अमेरिकी राजदूत डेविड पडर्यू, अमेरिका में चीन के राजदूत शी फेंग और चीन के विदेश मामलों के कार्यकारी उपमंत्री मा झाओक्सू मौजूद रहे. अमेरिकी राष्ट्रपति अपने दो दिवसीय दौरे पर चीन पहुंच गए हैं. लेकिन सबसे अहम और दिलचस्प खबर यह रही कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रिसीव करने उनके समकक्ष शी जिनपिंग नहीं आए. राष्ट्रपति समेत अमेरिकी डेलीगेशन को बीजिंग में उपराष्ट्रपति हान झेंग ने रिसीव किया, साथ ही उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया. हालांकि, इससे पहले ट्रंप जितने भी देश गए हैं, वहां उनका ज्यादातर स्वागत हेड ऑफ स्टेट ने ही किया है. ऐसे में जिनपिंग का न पहुंचाना बताता है कि चीन ने दुनिया को इस वार्ता को लेकर एक कूटनीतिक इशारा कर दिया है. इधर, ट्रंप एयर फोर्स वन विमान से चीन पहुंचे.

चीन की समाचार एजेंसी के मुताबिक, बीजिंग में ट्रंप का स्वागत चीन के उपराष्ट्रपति ने किया. उपराष्ट्रपति झेंग के साथ एयरपोर्ट पर बीजिंग में अमेरिकी राजदूत डेविड पडर्यू, अमेरिका में चीन के राजदूत शी फेंग और चीन के विदेश मामलों के कार्यकारी उपमंत्री मा झाओक्सू मौजूद रहे. स्वागत के लिए चीन ने सफेद और नीली वर्दी पहने 300 युवाओं को तैनात किया था. इस दौरान एक बैंड पार्टी भी ट्रंप के स्वागत के लिए मौजूद रही.

जिनपिंग ने 2009 में अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा का स्वागत किया था

ट्रंप ने साल 2017 के बाद दूसरी बार चीन की यात्रा की है. इससे पहले दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप अबतक यूएई, इजरायल, सऊदी, कतर जैसे देश गए हैं. जहां उनका स्वागत वहां के राष्ट्रीय अध्यक्षों ने ही किया है. लेकिन यह पहला मौका है कि किसी देश में अमेरिकी राष्ट्रपति को रिसीव करने उनका राष्ट्राध्यक्ष नहीं पहुंचा है.

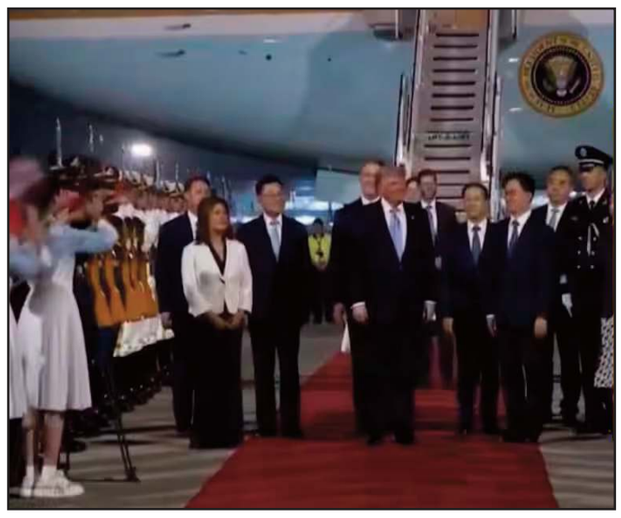

इससे पहले जब 2017 में चीन पहुंचे थे ट्रंप तो उनका स्वागत एक विदेश विभाग के अफसर ने किया था. इस बार ट्रंप को खुश करने के लिए जिनपिंग ने उपराष्ट्रपति को भेजा. 2009 में जिनपिंग को अमेरिकी राष्ट्रपति को स्वागत के लिए देखा गया था. जब वह चीन के उपराष्ट्रपति थे. वह ओबामा को लेने एयरपोर्ट गए थे.

इन मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद

दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता का केंद्र बिजनेस, टैरिफ, तकनीक, ताइवान, अक ताइवान, अमेरिकी हथियारों की बिक्री, ईरान और पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति के साथ दुर्लभ खनिजों समेत सप्लाई चैन रहेगा. ट्रंप इस दौरान टेंपल ऑफ हेवन का भी दौरा करेंगे. हालांकि, सभी की निगाहें मिडिल ईस्ट में बने हालात को निपटाने को लेकर रहेंगी. ट्रंप के दौरे से पहले ईरान के विदेश मंत्री चीन की यात्रा कर चुके हैं.

ट्रंप के साथ पहुंचे 17 बड़ी कंपनियों के सीईओ

इनमें एलन मस्क (टेस्ला/स्पेसएक्स/एक्स), टिम कुक (एप्पल), लैरी फिंक (ब्लैकरॉक), स्टीफन श्वार्जमैन (ब्लैकस्टोन), केली ऑर्टबर्ग (बोइंग), ब्रायन साइक्स (कारगिल), जेन फ्रेजर (सिटी), जिम एंडरसन (कोहीरेंट), एच. लॉरेंस कल्प (जीई एयरोस्पेस), डेविड सोलोमन (गोल्डमैन सैक्स), जैकब थायसेन (इलुमिना), माइकल मीबैक (मास्टरकार्ड), दीना पॉवेल मैककॉर्मिक (मेटा), संजय मेहरोत्रा (माइक्रॉन), क्रिस्टियानो अमोन (क्वालकॉम), रयान मैकइनर्नी (वीजा), चक रॉबिन्स (सिस्को) शामिल हैं.

दो महीने और युद्ध लड़ सकता है ईरान, न्यूयॉर्क टाइम्स के खुलासे से टेंशन में ट्रंप

(जीएनएस)।

अमेरिकी इंटेलिजेंस की ताजा रिपोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चिंता बढ़ा दी है। 39 दिनों के युद्ध और 13 हजार हमलों के बाद भी अमेरिका ईरान की सैन्य ताकत को पूरी तरह खत्म करने में नाकाम रहा है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' के मुताबिक, ईरान के पास अब भी भारी मात्रा में मिसाइलें बची हुई हैं।

ट्रंप प्रशासन को डर है कि अगर हमला दोबारा शुरू हुआ, तो ईरान के पलटवार से अमेरिकी जहाजों और एयर डिफेंस सिस्टम को भारी नुकसान हो सकता है।

अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक, 13 हजार हमलों के बावजूद ईरान के मिसाइल भंडार का केवल 30% हिस्सा ही नष्ट हुआ है। ईरान की 90% भूमिगत मिसाइल साइट्स आज भी आंशिक रूप से काम कर रही हैं। कई जगहों पर हमले से सिर्फ एंट्री गेट पर मलबा जमा हुआ है, लेकिन अंदर रखी मिसाइलें पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईरान इन मलबों को हटाकर मिसाइलों को बाहर निकालने और मोबाइल लॉन्चरों के जरिए उन्हें दागने की तैयारी कर रहा है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि होर्मुज जलडमरूमध्य मिसाइल साइट्स पूरी तरह एक्टिव हैं। यह इलाका समुद्री व्यापार और अमेरिकी नौसैनिक जहाजों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अगर जंग दोबारा छिड़ी, तो ईरान इन साइट्स से अमेरिकी जहाजों को निशाना बना सकता है। ट्रंप को डर है कि ईरान के पास मौजूद 70% मोबाइल लॉन्चरों को ढूंढना और उन्हें नष्ट करना अमेरिकी सेना के लिए बहुत बड़ी चुनौती होगी।

एयर डिफेंस खत्म होने का डर

इंटेलिजेंस का मानना है कि ईरान कम से कम दो महीने और युद्ध लड़ने की क्षमता रखता है। अमेरिका को सबसे बड़ा डर यह है कि ईरानी मिसाइलों को हवा में मार गिराते-गिराते उसके अपने 'इंटरसेप्टर मिसाइल' और 'एयर डिफेंस सिस्टम' का स्टॉक खत्म हो सकता है। अगर ऐसा हुआ, तो अमेरिका और उसके सहयोगियों के पास ईरानी मिसाइलों से बचने का कोई रास्ता नहीं बचेगा, जो एक बड़ी रणनीतिक हार साबित हो सकती है।

इजराइल के लिए बढ़ता जोखिम

भले ही अमेरिकी अधिकारी दावा कर रहे हों कि ईरान तबाह हो चुका है, लेकिन जमीन पर हकीकत अलग है। रिपोर्ट कहती है कि ईरान के पास अब भी 1000 से ज्यादा ऐसी आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइलें हैं जो इजरायल तक मार कर सकती हैं। इजराइल और पड़ोसी देशों पर इस बड़े हमले के खतरे ने ट्रंप को दोबारा हमला करने से रोक दिया है। ईरान का यह विशाल शस्त्रागार पूरे मध्य पूर्व में अमेरिका की पकड़ को कमजोर कर रहा है।

पानी से क्रोमियम सोख लेगी 'एस्परजीलस' फंगस, जाजमऊ की मिट्टी से खोजी गई है नई प्रकार, एचबीटीयू की बड़ी उपलब्धि

(जीएनएस)।

कानपुर, एचबीटीयू के वैज्ञानिकों ने जाजमऊ की मिट्टी से एस्परजीलस प्रोलीफरेंस एलए नामक फफूंदी खोजी है, जो पानी से क्रोमियम को पूरी तरह सोख लेती है। इस खोज से कानपुर के प्रभावित इलाकों के हजारों लोगों को अब शुद्ध पेयजल मिल सकेगा।

कानपुर में गंगा किनारे बसे जाजमऊ के लोगों को शुद्ध गंगाजल मिलेगा। उन्हें टेनरी के कचरे की वजह से क्रोमियमयुक्त जहरीला पानी नहीं पीना पड़ेगा। जहां भूगर्भ जल में क्रोमियम मिल गया है, उन्हें भी राहत मिलेगी। एचबीटीयू के वैज्ञानिकों ने पहली बार ऐसी फफूंदी खोजी है, जो क्रोमियम को अपनी सतह पर सोख लेती है और पानी क्रोमियम मुक्त होकर शुद्ध हो जाता है। यह फफूंदी जाजमऊ की मिट्टी में ही खोजी गई है।

एचबीटीयू के स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज ने इसकी खोज की है। इसके बाद फफूंदी को पुणे की नेशनल केमिकल लैबोरेट्री में भेजा गया। पता चला कि इसके पहले एस्परजीलस प्रॉलीफरेंस नाम की इस फफूंदी का किसी को पता नहीं था। इस पर इसे एस्परजीलस प्रोलीफरेंस एलए नाम दिया गया। पुणे लैब में फफूंदी को एनसीआईएम1473 कोड नंबर दिया गया।

इस फंगस को लैब में भी विकसित किया जा सकता है

यह शोध जर्नल ऑफ केमिस्ट्री एंड एनवायरमेंट और अन्य जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध के अगुवा स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज के डीन प्रोफेसर ललित कुमार सिंह ने बताया कि इस फंगस को लैब में विकसित किया जा सकता है। पानी में डालकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। फफूंदी जो क्रोमियम को सोखती है, उसे रिकवर भी कर लिया जाता है। इसे निकालकर पानी को शुद्ध करके क्रोमियम का अन्य जगह इस्तेमाल किया जा सकता है।

टेनरी के बगल के मैदान की मिट्टी से निकाली गई है फफूंदी

क्रोमियम निकालने में फफूंदी का प्रयोग करने के बाद अब पानी के दूसरे घातक धातु तत्वों को निकालने में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्रोमियम एस्परजीलस प्रोलीफरेंस एलए के शोध में चार साल का समय लगा है। इस शोध को और विस्तारित करेंगे जिससे लोगों को पीने के लिए शुद्ध पानी मिल सके। यह फफूंदी एक टेनरी के बगल के मैदान की मिट्टी से निकाली गई। इसके बाद इस पर कार्य किया गया, तो जल शुद्धिकरण में उपयोगिता पता चली।

एक पात्र में बगास डाली गई। उसमें एस्परजीलस प्रोलीफरेंस एलए को डालकर विकसित किया गया। जब फफूंदी विकसित हुई तो इसमें क्रोमियम युक्त पानी डाला गया। क्रोमियम के कण फफूंदी की सतह पर जम गए। जो पानी बाहर निकला, वह शुद्ध रहा। इसका इस्तेमाल व्यक्तिगत तौर पर या किसी स्थान पर सामूहिक तौर पर जल शुद्धिकरण के लिए किया जा सकता है। **-प्रोफेसर ललित कुमार सिंह, डीन, एचबीटीयू**

ये बीमारियां हो सकतीं

क्रोमियम के कारण त्वचा में जलन, नाक के अल्सर, फेफड़े और सांस की बीमारियां, कैंसर, त्वचा पर क्रोम अल्सर, पाचन तंत्र की समस्या, लिवर, किडनी और तंत्रिकाओं को नुकसान, अस्थमा आदि बीमारियां हो सकती हैं।

लाल जोड़े में भेजी बिटिया को कफन में लिपटा देख फफक पड़े, शादी के 13 दिन बाद 'दुल्हन' की ऐसे हुई मौत

झांसी में शादी के 13 दिन बाद संदिग्ध परिस्थितियों में तीसरी मंजिल से गिरकर युवती की मौत हो गई। मिशन कंपाउंड में यह घटना हुआ। पति व सास-ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

(जीएनएस)।

झांसी में शादी के महज 13 दिन बाद ही अपनी ससुराल मिशन कंपाउंड में नव विवाहिता प्रियंका मिश्रा (31) की तीसरी मंजिल से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई। मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है, जबकि ससुराल जन इसे हादसा बता रहे हैं।

पुलिस ने पति शुभम समेत सास-ससुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर तीनों को हिरासत में लिया है। पुलिस आगे छानबीन कर रही है। प्रियंका उर्फ ज्योति मूल रूप से गोरखपुर के पीपीगंज थाना क्षेत्र के हनुमंत नगर की रहने वाली थी। पिता श्रीप्रकाश मिश्रा की छोटी बेटी थी।

28 अप्रैल को प्रियंका की शादी मिशन कंपाउंड निवासी शुभम मिश्रा से हुई थी। शुभम ने बीएएमएस किया हुआ है। पति शुभम ने बताया कि सोमवार की देर शाम ससुराल में सुहागिन पूजा चल रही थी। पूजा के बाद प्रियंका तीसरी मंजिल पर गई थी। वहां ग्रिल से बाहर पांव लटकाकर बैठी थी। संतुलन बिगड़ने से वह नीचे जा गिरी। नव विवाहिता के नीचे गिरते ही चीख पुकार मच गई। पड़ोसी एवं रिश्तेदार जमा हो गए। सीपरी बाजार पुलिस भी जा पहुंची लेकिन, तब तक परिजन उसे लेकर मेडिकल अस्पताल पहुंच गए थे। डॉक्टरों ने कुछ देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, प्रियंका की मौत की सूचना पर गोरखपुर से मायके पक्ष के लोग भी आ गए। एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि मायके पक्ष की तहरीर पर पति शुभम, सास एवं ससुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनको हिरासत में लिया गया है। वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की जांच कराई जा रही है।

लाल जोड़े में भेजी बिटिया को कफन में लिपटा देख फफक पड़े परिजन

बड़े अरमानों के साथ कुछ दिन पहले ही पिता ने बिटिया को लाल जोड़े में विदा किया था। उसके हाथ से अभी मेहंदी भी नहीं छूटी थी कि 13 दिन में उसकी मौत की खबर आ पहुंची। सोमवार शाम अचानक पहुंची इस मनहूस खबर पर उनको यकीन ही नहीं हुआ।

पिता श्रीप्रकाश, भाई रत्नेश समेत अन्य परिजन झांसी की ओर निकल पड़े। देर-रात सभी झांसी आ गए। मंगलवार सुबह जैसे ही चीरघर में कफन में लिपटा बेटी का शव देखा उनका कलेजा मुंह को आ गया। पिता एवं भाई फफक कर रो पड़े। शरीर की चोट देख उन्होंने हादसा मानने से इन्कार कर दिया।

भाई रत्नेश का कहना था कि प्रियंका काफी समझदार थी। घर में भी वह कभी इस तरह छत पर नहीं जाती थी। घटना से करीब 20 मिनट पहले प्रियंका ने जरूरी बात करने के लिए मां को फोन किया था। मां के घर पर न होने से वह यह बात नहीं बता सकी।

कुछ देर बाद शुभम ने उसकी मौत की बात बताई। परिजनों ने कहा उसे साजिशन छत पर ले जाया गया, वहां से धक्का दिया गया। उनका कहना है कि ससुराल पक्ष सोने के गहने की मांग पर अड़ा था। यह मांग पूरी न होने पर हत्या का आरोप लगाया।

मैरिज वेबसाइट के सहारे तय हुई थी शादी

प्रियंका के परिजनों ने बताया कि उसने अंग्रेजी से डबल एमए करने के साथ ही बीएड किया था। शुभम से उसका रिश्ता वैवाहिक वेबसाइट के जरिये तय हुआ था। शुभम ने बीएएमएस किया हुआ था। इस वजह से प्रियंका उससे शादी करने पर राजी हो गई थी। पिछले साल जून में उनकी सगाई हुई थी।

सगाई के दस माह बाज शादी हुई थी। प्रियंका पूरे परिवार में इकलौती बहन थी। इस वजह से धूमधाम से उसकी शादी हुई थी लेकिन, उसके हाथ की मेहंदी भी नहीं छूटी थी कि उसकी मौत की खबर आ गई।

लखनऊ में बनेगी 14 किमी लंबी 6 लेन सड़क, टेक्सटाइल पार्क तक कनेक्टिविटी, जाम से मिलेगा छुटकारा

लखनऊ में आउटर रिंग रोड के रैथा अंडरपास से टेक्सटाइल पार्क तक 6 लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा, यह 14.280 किमी लंबी होगी. योगी सरकार ने इसके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के प्लान पर सरकार लगातार काम कर रही है. जिससे लोगों का समय लंबे जाम में फंसकर खराब न हो. योगी सरकार ने राजधानी में 6 लेन सड़क निर्माण के प्रस्ताव में को मंजूरी दी है, इसके लिए 546 करोड़ रुपये स्वीकृति किए गए हैं.

योजना के अनुसार, लखनऊ की आउटर रिंग रोड के रैथा अंडरपास से पीएम मित्र पार्क (टेक्सटाइल पार्क) तक 6 लेन सड़क निर्माण किया जाएगा, जिसकी लंबाई 14.280 किलोमीटर होगी. इसी तरह आईआईएम (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट) लखनऊ से आउटर रिंग रोड के रैथा अंडरपास तक 8.700 किलोमीटर लंबी 2 लेन सड़क का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया.

इन दोनों परियोजनाओं में अनुमानित 546 करोड़ 51 लाख 83 हजार रुपये खर्च होंगे.

इन परियोजनाओं से राजधानी के लोगों को जाम से राहत मिलेगी, साथ ही पीएम मित्र पार्क को बेहतर कनेक्टिविटी भी मिलेगी. जिससे राजधानी के औद्योगिक विकास में भी गति मिलेगी और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे. प्रदेश की योगी सरकार ने 5 मई 2026 को कैबिनेट बैठक में इन परियोजनाओं के प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी. इसके लिए 546 करोड़ 51 लाख 83 हजार के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई थी.